महत्वपूर्ण
संख्या–509/XXIV(1)/2006-25/2006

प्रेषक,

एस.के. माहेश्वरी,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा उत्तरांचल,
देहरादून।

शिक्षा अनुभाग–1(बेसिक) देहरादून दिनांक 14 सितम्बर,2006

विषय– जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम–।।। के अन्तर्गत सृजित बी0आर0सी0/एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों व अध्यापकों के अस्थाई पदों का सततीकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक– नियोजन–2/7833/सततीकरण/2005–06 दिनांक 30.5.2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या–2376/15–5–2000–63/2000 दिनांक 23.5.2000 द्वारा जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम–।।। के अन्तर्गत छः जनपदों क्रमशः–उत्तरकाशी, टिहरी, हरिद्वार, चम्पावत, पिथौरागढ़ व बागेश्वर में विकास खण्ड स्तर पर शैक्षिक गतिविधियों के समन्वय हेतु विकास खण्ड स्तर पर विकास खण्ड संसाधन केन्द्रों (बी0आर0सी0) तथा न्याय पंचायत स्तर पर न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र (एन0पी0आर0सी0) की स्थापना करते हुए, प्रत्येक बी0आर0सी0 केन्द्र पर 01 समन्वयक तथा 02 सह समन्वयक तथा एन0पी0आर0सी0 पर 01 समन्वयक का पद सृजित करते हुए, बीआरसी पर कुल 36 समन्वयक, 72 सह समन्वयक एवं एनपीआरसी पर 280 समन्वयक के पद सृजित किये गये थे। प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों से चयन के आधार पर समन्वयकों, सह समन्वयक के रूप में तैनाती की गई।

2– साथ ही, उपरोक्त छः जनपदों में आवश्यकतानुसार प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना कर प्रत्येक विद्यालय में एक प्रधानाध्यापक व एक शिक्षा मित्र का पद सृजित किये गये थे। शासनादेश संख्या–6071/15–5–2000–63/2000 दिनांक 11.10.2000 द्वारा कुल 130 प्रधानाध्यापकों एवं 648 शिक्षा मित्रों, शासनादेश संख्या–174/बेशि/2002 दिनांक 11.9.2002 द्वारा कुल 121 प्रधानाध्यापकों एवं 242 शिक्षा मित्रों, शासनादेश संख्या–29/बेशि/2003 दिनांक 22.4.2003 द्वारा 48 प्रधानाध्यापकों तथा 96 शिक्षा मित्रों, शासनादेश संख्या–206/बेशि/2003 दिनांक 18.11.2003 द्वारा 57 प्रधानाध्यापकों तथा 114 शिक्षा मित्रों एवं शासनादेश संख्या–117/XXIV(1)/2005 दिनांक 23.2.2005 द्वारा 25 प्रधानाध्यापकों एवं 50 शिक्षा मित्रों अर्थात कुल 381 प्रधानाध्यापकों एवं 1150 शिक्षा मित्रों के पद सृजित किये गये थे। शिक्षा मित्र के पद नियत मानदेय (रू0 3000/– प्रतिमाह जो कि अब बढ़कर रू0 4000/– प्रतिमाह हो गया है) पर सृजित किये गये थे।

5— पूर्व में शासनादेश संख्या 106/XXIV(1) /2005—15/2004 दिनांक 24 फरवरी 2005 द्वारा राज्य सरकार के प्राथमिक विद्यालयों में 2300 शिक्षा मित्रों के पद सृजित किये गये है। अब इन 1150 शिक्षा मित्रों के पदों को जोड़ते हुए राज्य सरकार के कुल 3450 शिक्षा मित्र माने जायेंगे।

6— बी0आर0सी0/एन0पी0आर0सी0/के समन्वयक/सह समन्वयकों तथा प्रधानाध्यापकों का वेतन संबंधित वित्तीय वर्ष के अनुदान संख्या—11 के अधीन आयोजनेत्तर पक्ष में लेखाशीर्षक 2202— सामान्य शिक्षा 01— प्रारम्भिक शिक्षा 102— अराजकीय प्राथमिक विद्यालयों को सहायता 0701— बेसिक शिक्षा परिषद विद्यालयों को सहायता 43— वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान के नामें डाला जायेगा (बेसिक शिक्षा के राजकीयकरण होने के फलस्वरूप वित्तीय वर्ष 2006—07 के अनुपूरक मांग के माध्यम से यह योजना और लेखाशीर्षक संशोधित होना प्रस्तावित है, उक्त संशोधन होने के पश्चात इन पदों पर होने वाला व्यय उक्त लेखाशीर्षक के अधीन होगा।)

जबकि शिक्षा मित्रों के मानदेय का भुगतान संबंधित वित्तीय वर्ष के अनुदान संख्या—11 के अधीन आयोजनेत्तर पक्ष में लेखाशीर्षक 2202— सामान्य शिक्षा 01— प्रारम्भिक शिक्षा 102— अराजकीय प्राथमिक विद्यालयों को सहायता 18— शिक्षा मित्रों को मानदेय का भुगतान (आयोजनागत) 20— सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

7— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या—370/वि0 अनु0—3/2006 दिनांक 11.9.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(एस.के. माहेश्वरी)
सचिव।

<u>संख्या व दिनांक तदैव</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल शासन।
3. राज्य परियोजना निदेशक, उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद, देहरादून ।
4. संबंधित कोषाधिकारी, उत्तरांचल (निदेशक के माध्यम से)।
5. संबंधित अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक), उत्तरांचल (निदेशक के माध्यम से)।
6. वित्त अनुभाग—3/नियोजन अनुभाग।
7. एनआईसी, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(नम्रता कुमार)
अपर सचिव।

3– उपरोक्त प्रस्तर–1 व 2 में उल्लिखित शासनादेशों द्वारा सृजित 36 बीआरसी समन्वयक, 72 बीआरसी सहसमन्वयक, 280 एनपीआरसी समन्वयक, 381 प्रधानाध्यापक एवं 1150 शिक्षा मित्र पद सृजन संबंधी शासनादेशों में यह भी उल्लिखित था कि यह सभी पद जिला प्राथमिक शिक्षा परियोजना–।।। की समाप्ति तक सृजित माने जायेगे और तत्पश्चात परियोजना समाप्ति पर यह सभी पद स्वतः राज्य सरकार के अधीन बेसिक शिक्षा में समायोजित माने जायेंगे और इनका व्यय भार भी राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। उत्तरॉचल राज्य में जिला प्राथमिक कार्यक्रम–।।। दिनांक 31 मार्च, 2006 को पूर्ण हो गयी है।

इस कारण उपरोक्त शासनादेशों द्वारा सृजित उक्त पदों की प्रत्येक वित्तीय वर्ष में निरन्तरता जारी नहीं की गयी।

4– उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार एवं विश्व बैंक के साथ किये गये एम0ओ0यू0/एग्रीमेन्ट में उल्लिखित है कि परियोजना की समाप्ति के पश्चात उक्त पदों पर होने वाले व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। अतः उपरोक्त प्रस्तर–1 व 2 में उल्लिखित सृजित 36 बीआरसी समन्वयक, 72 बीआरसी सहसमन्वयक, 280 एनपीआरसी समन्वयक, 381 प्रधानाध्यापक एवं 1150 शिक्षा मित्र पदों की गत वित्तीय वर्ष 2005–06 में निरन्तरता प्रदान किये जाने की कार्योत्तर स्वीकृति एवं इस वित्तीय वर्ष 2006–07 में दिनांक 28.2.2007 तक की निरन्तरता प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैः–

क0 सं0	जनपद	बी0आर0सी0 की संख्या	सृजित पद		एन0पी0आर 0 सी0 की संख्या	सृजित पद समन्वयक
			समन्वयक	सह–समन्वयक		
1–	बागेश्वर	03	03	06	35	35
2–	पिथौरागढ	08	08	16	64	64
3–	चम्पावत	04	04	08	23	23
4–	उत्तरकाशी	06	06	12	36	36
5–	टिहरी	09	09	18	76	76
6–	हरिद्वार	06	06	12	46	46
	योग–	**36**	**36**	**72**	**280**	**280**

प्राथमिक विद्यालयों में सृजित प्रधानाध्यापक तथा शिक्षा मित्र के सृजित पद

क0सं0	जनपद	सृजित पद	
		प्रधानाध्यापक	शिक्षा मित्र
1–	बागेश्वर	37	141
2–	पिथौरागढ	38	143
3–	चम्पावत	28	123
4–	उत्तरकाशी	66	185
5–	टिहरी	96	259
6–	हरिद्वार	116	299
	योग–	**381**	**1150**